an>

Title: Need to accord the status of Schedule Tribe to Khetauri and Ghatwar castes.

श्री निशिकान्त दुबे **(**गोड्डा**) :** उपाध्यक्ष महोदय, पांच साल की लड़ाई के बाद यू.पी.ए. सरकार ने 3 फरवरी, 2014 को एक टास्क फोर्स बनाई थी। झारखण्ड में तीन चार जातियां - खेतौड़ी, घटवाल और घटवार हैं, जिनको बिना किसी कारण के एक किरानी की गलती के कारण आज तक शिडयुल्ड ट्राइब का दर्जा नहीं मिला है। सन् 1948 तक, 1950 तक वे शिडयुल्ड ट्राइब्स थे। यह टास्क फोर्स यू.पी.ए. सरकार ने बनाई थी, जिसकी रिकमेंडेशंस आ गई हैं और उसकी रिकमेंडेशन यह कह रही है कि जिन पांच साल के लिए मैंने लड़ाई लड़ी, वह सही थी। यह हिस्टोरिकल ऐरर है और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को इसे ठीक करना है। इस रिपोर्ट को आए हुए कई महीने बीत चुके हैं। 16 मई, 2014 को जिस दिन हम लोग फिर से मेंबर ऑफ पार्लियामेंट बने, यह लोक सभा कांस्टीट्यूट हुई, उसी दिन से यह रिपोर्ट आई हुई है। इस रिपोर्ट के आधार पर अभी तक इसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से और खासकर प्रधानमंत्री महोदय से आग्रह करूंगा कि शेडयुल्ड ट्राइब्स की कैसे रिशेडयूलिंग होगी, यह एक बड़ा विषय है, आप उसे देख लीजिए, लेकिन जो जातियां ऐतिहासिक कारण से छूट गई हैं और जिसको कि इस टास्क फोर्स ने माना है, जिसमें गवर्नमेंट आफ इंडिया की सारी एजेंसीज शामिल थीं, उन जातियों को, खासकर खेतौड़ी को, घटवाल को और घटवार को, जो झारखंड की जातियां हैं, जो कि आज तक अपनी व्यवस्थाओं से और अपनी सुविधाओं से मरहूम हैं और गरीबी से जूझ रही हैं, उनकी जाति के लोग आज तक ग्रेजुएट नहीं हो पाए हैं। इसीलिए मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से, खासकर भारत के प्रधानमंत्री जी से और वेंकैया जी से आग्रह है कि इन तीनों जातियों को जल्दी से जल्दी कैसे शेडयुल्ड ट्राइब्स में शामिल किया जाए, इसके लिए वे व्यवस्था करें।